

DR. ANURADHA PAUDWAL

Dr. Anuradha Paudwal's name resonates the most melodious spell of Indian film music from the seventies to the nineties and is a flagship in Indian traditional devotional music all over the world. Born on October 27, 1954, Dr. Paudwal studied at St Xaviers College and learnt music listening to the Bhagvad Geeta. She got her first break as a playback singer in stalwart SD Burman's “Abhimaan” and continued singing for music directors Jaidev, OP Nayyar , SD Burman , RD Burman , Bappi Lahiri and Lakshmikant Pyarelal. She scaled the heights of stardom singing in movies like Karma, Hero, Jaani Dushman, Nagina, Tezaab, Batwara and many more. She also received her first Maharashtra State Government award for a Marathi film and her first Filmfare for Utsav. She sang more than 10000 songs in all Indian languages such as Hindi, Kannada, Marwari, Pahari, Marathi, Bengali, Gujarati, Tamil, Telugu, Oriya, Assamese, Punjabi, Bhojpuri, Nepali and Maithili.

2. In the nineties, Dr. Paudwal joined T-Series and changed the face of Indian film music, with music albums made into successful movies like Ashiqui, Dil Hai Ki Maanta Nahin, Saajan, Beta, Lal Dupatta Malmal Ka, Meera Ka Mohan and other chartbusters. She received her most prestigious awards like Citizens award at the hands of Shri Rajiv Gandhi, Mahila Shiromanee award at the hands of the President, the National Award in 1990 and three consecutive Film Fare and Screen awards for her music.

3. At this juncture where Dr. Paudwal practically ruled Bollywood music she answered her true calling and ventured into devotional music and scriptures. Her intention has been to bring to the forefront the spiritual literary treasures of our country and make them accessible to the common man through simple but beautiful melodies. She recorded Durga Saptashati , Gayatri Mantra, Vishnu Sahastra Naam, ShivMahimna Stotra, Bhagavad Geeta, traditional Artees, Bhaktamber Stotra, Jain Stutis and Stavans , Ganga Artee (played to date in Haridwar) Gurbanis and every important scripture from all Indian religions was recorded in her voice and televised to be seen and loved by Indians all over the world.

4. Dr. Paudwal has been a solo female singer for the following movies like Pyar Bhara Dil, Ghar Aaya Mera Pardesi, 'Sadak', 'Lal Dupatta Mal Mal Ka', 'Kasam Teri Kasam', 'Saathi', 'Junoon', 'Aaye Milan Ki Ratt'. 'Meera Ka Mohan', 'Bahar' Aane Tak, 'Dhaai Akshar Prem Ke', 'Pyar Pyar', 'Dastoor', 'Beta', 'Dil Hai Ke Manta Nahin', 'Maina', Deewana Sanam', 'Mai Tera Ashiq' and so on. The list is exhaustive.

5. Dr. Paudwal's prestigious awards include the recent De. Lit from D.Y. Patil University Kolhapur (2016), Lata Mangeshkar Award (2010), Mother Teresa Award for Lifetime Achievement (2011), Suvarnartna Award (2015), Mahakaal Award from Madhya Pradesh Government 2004, The Citizens Award (1989), National Award (1990), several Maharashtra state Marathi Film Awards, Mahila Shiromani Award in (1993), The India International Gold Award and The Gold Medal (1994) along with four Film Fare and many other awards for her successful music.



डॉ. अनुराधा पौडवाल

डॉ. अनुराधा पौडवाल का नाम, सत्तर के दशक से लेकर नब्बे के दशक तक भारतीय फिल्म संगीत के सर्वाधिक सुरीले दौर को प्रतिध्वनित करता है और पूरे विश्व में भारतीय पंरपरागत भक्तिमय संगीत का ध्वजवाहक है। आपका जन्म 27 अक्तूबर, 1954 को हुआ तथा आपने सेंट जेवियर कॉलेज में अध्ययन किया और भगवद गीता के श्रवण से संगीत सीखा। आपको प्लेबैक सिंगर के रूप में पहली सफलता सुप्रसिद्ध संगीतकार एस डी बर्मन की "अभिमान" में मिली तथा आपने संगीत निदेशक – जयदेव, ओ पी नय्यर, एस डी बर्मन, आर डी बर्मन, बप्पी लहिरी तथा लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के लिए अपनी गायन प्रतिभा का सिलसिला जारी रखा। आपने कर्मा, हीरो, जानी दुश्मन, नगीना, तेजाब, बंटवारा तथा कई और फिल्मों में स्टारडम गायन के क्षितिज को छुआ। आपको एक मराठी फिल्म के लिए महाराष्ट्र सरकार की ओर से पहला पुरस्कार तथा उत्सव के लिए पहला फिल्म फेयर पुरस्कार प्राप्त हुआ। आपने सभी भारतीय भाषाओं जैसे –हिंदी, कन्नड़, मारवाड़ी, पहाड़ी, मराठी, बंगाली, गुजराती, तमिल, तेलुगू, उड़िया, असमी, पंजाबी, भोजपुरी, नेपाली और मैथिली में 10,000 से भी अधिक गीत गाए।

2. नब्बे के दशक में आपने टी-सीरीज ज्वाइन की और आशिकी, दिल है कि मानता नहीं, साजन, बेटा, लाल दुपट्टा मलमल का, मीरा का मोहन जैसी फिल्मों तथा अन्य कई मशहूर सफल फिल्मों के बनाए गए म्यूजिक अलबमों से भारतीय फिल्म संगीत का रूप ही बदल दिया। आपको श्री राजीव गांधी के हाथों से सिटीजेंस अवार्ड, राष्ट्रपति के द्वारा महिला शिरोमणि अवार्ड, वर्ष 1990 में राष्ट्रीय अवार्ड जैसे अत्यधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए तथा आपने संगीत के लिए तीन फिल्म फेयर एवं स्क्रीन अवार्ड प्राप्त किए।

3. इस मोड़ पर, जहां एक ओर आपने प्रत्यक्ष रूप से बॉलीवुड संगीत पर अपनी धाक जमायी वहीं अपनी आत्मा की पुकार भी सुनी और भक्तिमय संगीत तथा धर्म ग्रन्थों की दुनिया की ओर एक साहसिक कदम बढ़ाया। आपका इरादा अपने देश के धार्मिक-साहित्य के खजाने को सबके सामने प्रस्तुत करना ओर उसे सरल एवं सुन्दर गीतों के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाना था। आपने दुर्गा सप्तशती, गायत्री मंत्र, विष्णु सहस्त्रनाम, शिव महिमा स्तोत्र, भगवद् गीता, पारंपरिक आरतियां, भक्ताम्बर स्तोत्र, जैन स्तुतियां और स्तवन, गंगा आरती (अब तक हरिद्वार में सुनाई जाती है), गुरबाणी की रिकॉर्डिंग की है तथा समस्त भारतीय धर्मों से प्रत्येक महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथ को आपकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया और प्रसारित किया गया, जिसे पूरे विश्व में रह रहे भारतीयों द्वारा देखा और पसंद किया जाता है।

4. प्यार भरा दिल, घर आया मेरा परदेशी, सड़क, लाल दुपट्टा मल मल का, कसम तेरी कसम, साथी, जुनून, आयी मिलन की रात, मीरा का मोहन, बहार आने तक, ढाई अक्षर प्रेम के, प्यार-प्यार, दस्तूर, बेटा, दिल है कि मानता नही, मैना, दीवाना सनम, मैं तेरा आशिक तथा इसी तरह की कई अन्य फिल्मों के लिए आप एकल महिला गायिका रही हैं। फिल्मों की यह सूची काफी विस्तृत है।

5. आपको प्राप्त हुए प्रतिष्ठित पुरस्कारों में हाल ही (2016) में डी.वाई.पाटिल विश्वविद्यालय, कोल्हापुर से डी.लिट की उपाधि, लता मंगेश्कर पुरस्कार (2010), मदर टेरेसा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार(2011), सुवर्ण रत्न पुरस्कार (2015), मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त महाकाल पुरस्कार 2004, द सिटीजन पुरस्कार (1989), राष्ट्रीय पुरस्कार (1990), महाराष्ट्र राज्य से प्राप्त कई एक मराठी फिल्म पुरस्कार, महिला शिरोमणि पुरस्कार (1993), द इंडिया इन्टरनेशनल गोल्ड पुरस्कार एवं स्वर्ण पदक (1994) शामिल हैं, इसके साथ ही आपके सफल संगीत के लिए आपको चार फिल्म फेयर एवं कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए।